अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें ।
2) प्रश्न क्रमांक 6 अनिवार्य है ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति करे। (15)

1. अभिनयदर्पण नुसार ---------- प्रकार के शिरोभेद है।
2. पं.कालिका प्रसाद ---------- घराने के नर्तक है।
3. नाट्य का मुख्य उद्देश ---------- है।
4. झपताल मे ---------- मात्रा पे खाली आती है।
5. दोनो हाथों की सर्पशीर्ष मुद्रा बनाकर एकसाथ जोडने के बाद ---------- बनती है।
6. शिवजी द्वारा किए गए नृत्य को ---------- कहते है।
7. एकताल मे ---------- या------- मात्रा पे खाली आती है।
8. ---------- नृत्य उत्तर प्रदेश का शास्त्रीय नृत्य है।
9. अभिनयदर्पण नुसार जब दोनो हाथो से पताका मुद्रा बनाकर उन्हे कलाई के समीप एक दुसरे के पार (cross) स्थित किया जाता है तो वह ---------- मुद्रा कही जाती है।
10. विलंबीत लय को ---------- लय से जाना जाता है ।
11. अभिनयदर्पण नुसार गर्दन को सुगमतापूर्वक समान रुप से इधर–उधर चलाने को ---------- ग्रीवा कहते है।
12. जब अत्यंत तेजी से गायन, वादन या नर्तन किया जाता है तो उसे ---------- लय कहते है।

13. अंगो को जोडने वालो अवयवों को ---------- कहतें है।

14. श्रृंगार, करुण आदि रसों से युक्त सुकोमल नृत्य जो नारींया करती है उसे ---------- नृत्य कहते है।

15. अभिनयदर्पण नुसार ऊपर की ओर उठे हुए सिर को ---------- सिर कहते है।

प्र. 2 सही या गलत लिखे। **(15)**

1. आमद एक फारसी शब्द है जिसका मतलब आगमन है।
2. हरिहर प्रसादजी लखनऊ घराने के प्रसिद्ध नर्तक है।
3. अभिनयदर्पण नुसार ग्रीवा भेद नौ प्रकार के होते है।
4. डोला मुद्रा असंयुक्त हस्तमुद्रा है।
5. पखवाज के जोरदार बोलसमूह को परण कहते है।
6. कुचीपुडी नृत्यशैली दक्षिण भारत की शास्त्रीय नृत्यशैली है।
7. पद्मकोष मुद्रा असंयुक्त हस्तमुद्रा है।
8. नृत्त, नाट्य, नृत्य, नर्तन के भेद है।
9. कटकामुख मुद्रा मे तर्जनी अंगुली को सीधा कर देते पर 'सूचि' मुद्रा की निर्मिती होती है।
10. अंग के छोटे छोटे अवयवोंको प्रत्यंग कहते है।
11. नाट्य और नृत्त इन दो कलाओ के मिलने से नृत्य कला की निर्मिती होती है ।
12. घुमर नृत्य शास्त्रीय नृत्य प्रकार है।
13. कथकली नृत्यशैली केरल की शास्त्रीय नृत्यशैली है।
14. तांडव नृत्य के पाच प्रकार है।
15. कथ्थक नृत्य की हिंदुस्थानी और मोंगल प्रकार की वेशभूषा होती है।

प्र. 3 **उचित जोडिया बनाइए।** **(15)**

1. झपताल	1) असंयुक्त हस्तमुद्रा
2. मणिपूरी	2) लखनऊ घराना
3. आलोलित शिर	3) स्त्रीप्रधान नृत्य
4. निकास	4) 8 मात्रा
5. बिंदादीन महाराज	5) 12 प्रकार के
6. भ्रमर	6) अकेले ही समस्त पात्रों का अभिनय
7. प्रकम्पिता ग्रीवा	7) उदयशंकर
8. कहरवा	8) मणिपूर
9. लास्य	9) ताल की पहली मात्रा
10. गरबा	10) शिरोभेद
11. गतभाव	11) आरंभिक क्रिया
12. सम	12) ग्रीवा भेद
13. उपांग	13) निकलकर जाना
14. आधुनिक नृत्य	14) लोकनृत्य
15. ठाठ	15) 10 मात्रा

प्र. 4 **एक वाक्य में उत्तर लिखें ।** **(15)**

1. अभिनयदर्पण नुसार कितनी संयुक्त हस्मुद्रा है ?
2. कथ्थक नृत्य को साथसंगत करने वाले वाद्यों के नाम लिखिए ?
3. झपताल मे कितने खंड होते है ?
4. आमद की परीभाषा लिखिए।
5. सर्पशीर्ष हस्त मे कनिष्ठका या अंगुठा सीधा कर तान देने पर कौनसी मुद्रा बनती है ?
6. नृत्य किसका भेद है ?
7. वस्तु उठाने के लिए कौनसी मुद्रा का उपयोग करते है ?

8. जब नर्तक तोडा–तुकडा नाचकर समपर नमस्कार (सलाम) करते है तो उस क्रिया को क्या कहते है?

9. अधोमुख यह किसका प्रकार है?

10. अर्धपताका यह कौनसी मुद्रा है?

11. लय के कितने प्रकार होते है?

12. झपताल मे कौनसी मात्रा पर ताली आती है?

13. परिवाहित शिर किसे कहते है?

14. अंग कितने प्रकार के है?

15. एकताल मे कितने खंड होते है?

प्र. 5 बहुविकल्पिय प्रश्न। **(5 X 3 = 15)**

(प्रश्न का सही उत्तर दिये हुए पर्याय मे से लिखे)

1. पंजाब का लोकनृत्य कौनसा है?
   (अ) धुमर (ब) भांगडा (क) लावणी (ड) कोळी

2. कथ्थक नृत्य के प्रमुख घराने कितने है?
   (अ) 4 (ब) 2 (क) 3 (ड) 1

3. मध्यम गती से चलने वाली लय को क्या कहते है?
   (अ) ठाह (ब) द्रुत (क) एकगुन (ड) मध्य

4. तीनताल में कितनी ताली होती है?
   (अ) 3 (ब) 2 (क) 4 (ड) 6

5. अभिनयदर्पण नुसार संयुक्त हस्तमुद्रा कौनसी है?
   (अ) अर्धचंद्र (ब) कूर्म (क) संदंश (ड) मुकूल

6. शिवजी को 'ताण्डव' नृत्य किसके द्वारा सिखाया गया?
   (अ) आचार्य नंदिकेश्वर (ब) आचार्य भरतमुनी
   (क) आचार्य शारंगदेव (ड) तण्डुमुनी

7. अभिनयदर्पण नुसार असंयुक्त हस्तमुद्रा कौनसी है ?

(अ) शिवलिंग (ब) कटकावर्धन (क) कटकामुख (ड) उत्संग

8. दादरा ताल की कितनी मात्राए होती है ?

(अ) 6 (ब) 16 (क) 8 (ड) 12

9. आंध्रप्रदेश का शास्त्रीय नृत्य कौनसा है ?

(अ) कथकली (ब) ओडिसी

(क) भरतनाट्यम (ड) कुचीपुडी

10. पं.भातखंडे लिपीनुसार सम का चिन्ह कौनसा है ?

(अ) O (ब) X (क) ‿ (ड) I

11. जयपूर घराने के प्रसिद्ध गुरु कौन है ?

(अ) बिन्दादीन महाराज (ब) सितारादेवी

(क) लच्छु महाराज (ड) हरिहर प्रसाद–हनुमान प्रसाद

12. किसी भी ताल के तबले के मूल वर्णों को क्या कहते हैं ?

(अ) ठेका (ब) सम (क) ताली (ड) खाली

13. संगीत मे ताल नापने की क्रिया को क्या कहते है ?

(अ) सम (ब) कवित्त (क) तिहाई (ड) मात्रा

14. मोहिनीअट्टम शास्त्रीय नृत्यशैली कौनसे प्रदेश की है ?

(अ) केरल (ब) मणिपूर

(क) उत्तर प्रदेश (ड) दक्षिण भारत

15. लास्य नृत्य के प्रकार कितने है ?

(अ) 5 (ब) 7 (क) 3 (ड) 2

प्र .6 **लिपीबध्द करे। (कोई 3 अनिवार्य)** (compulsory)

(5 X 3 = 15)

1. तीनताल मे एक कवित्त
2. झपताल मे चक्रदार तोडा

3. एकताल मे सादा तोडा

4. तीनताल मे एक परण

प्र. 7 परिभाषा लिखे। **(3 X 5 = 15)**

1. कवित्त 2. ठाट 3. ताली

4. गतपल्टा 5. विभाग

प्र. 8 संक्षिप्त जानकारी लिखिए। **(5 X 3 = 15)**

1. तांडव व लास्य नृत्य

2. तिहाई की परिभाषा तथा उसके प्रकार लिखिए

3. गतभाव

प्र. 9 जीवनी लिखे। (कोई दो) **($7\frac{1}{2} + 7\frac{1}{2} = 15$)**

1. पं.कालिका प्रसाद

2. पं.बिंदादीन महाराज

3. संत कवी सूरदास

प्र. 10 हस्तमुद्रा किसे कहते है ? असंयुक्त तथा संयुक्त हस्तमुद्रा की परिभाषा लिखकर कोई पाँच असंयुक्त और संयुक्त हस्तमुद्रा उनके प्रयोग के साथ लिखिए। **(15)**